-SUMMARY-

परियोजना का नाम – Enhancing on-farm conservation of agro-biodiversity through community seed bank in Raisen District M.P.

कार्यकारी संस्था – कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

परियोजना का उद्देश्य–

1. देशी फसलों की किस्मों का संरक्षण एवं प्रबंधन करना।
2. कृषकों के अधिकार एवं बीज बैंक के मध्य समन्वय।
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन में बीज बैंक का निर्माण करना।
4. फसलीय आनुवांशिक जैवविविधता एवं संरक्षण आधारित फसल प्रणाली का अध्ययन करना।

परियोजना सारांश –

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन के माध्यम से संचालित परियोजना अन्तर्गत कृषि प्रजातियों की पारम्परिक किस्मों को संरक्षित करने के उद्देश्य से सामुदायिक बीज बैंक स्थापित किया गया है। बीज बैंक में क्षेत्रीय कृषकों से एकत्रित **अनाज–** गेंहू, चावल, मक्का, ज्वार, कोदो, कुटकी, राजगीरा, सांवा, **दलहन–** मटर, चना, अरहर, मसूर, उड़द, **तिलहन–** सरसों, तिल, सोयाबीन, **सब्जियां–** कद्दू, धनिया, गिलकी आदि की कुल 118 देशी प्रजातियों का संरक्षण किया गया है।

जिले में अनाज, दलहन, तिलहन और सब्जियों की विभिन्न देशी किस्में पाई जाती हैं। इन किस्मों में रोग प्रतिरोधक क्षमता, कीट प्रतिरोधक क्षमता, कम पानी की आवश्यकता, शीघ्र परिपक्वता आदि गुण होते हैं। जिनका उपयोग अनुसंधान एवं जर्मप्लाज़्म संरक्षण हेतु किया जाता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन द्वारा कृषकों को देशी फसलों की किस्मों के संरक्षण की आवश्यकता, विधियां एवं महत्व की जानकारी दिए जाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पंचायत– सिलवानी एवं बेगमगंज के 05 गांवों में कुल 04 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए। प्रशिक्षण में किसानों को देशी फसलों के जर्मप्लाज़्म संरक्षण एवं भंडारण का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण उपरांत रबी और खरीफ फसलों की विभिन्न किस्मों के बीजों को एकत्रित किया गया एवं एकत्रित बीजों को फार्म के प्रदर्शन क्षेत्र में उगाया गया है।

परियोजना स्थल के छायाचित्र